



लखनऊ

वर्ष: 15 | अंक: 248

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

शनिवार | 22 जून, 2024

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper



जन एक्सप्रेस स्पेशल रिपोर्ट

जन एक्सप्रेस | प्रदीप कुमार त्रिपाठी

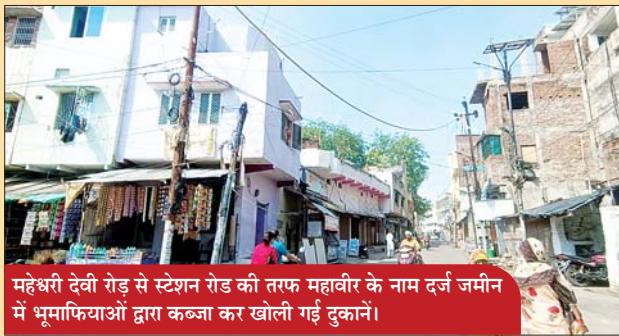
बांदा। आपको बताते चले कि मामला बांदा जिले के बांदा रेलवे स्टेशन के पास क्रीम इलाके का है जहां महावीर बजंगंबली के नाम दस बीचे जमीन दर्ज की जिसे पूर्व में बड़े व्यवसाई रहे व्यापारी ने उस समय वहां मौजूद पुस्ती से 120 मासिक रुपये में किराए से व्यापार के लिए लौ थी और बाद में यहां कोई देख-रेख करने वाला न रहने के कारण माफियाओं ने महावीर की जमीन कब्जा कर बेंचां शुरू कर दिया महावीर के नाम दर्ज जमीन में

- 120 रुपये के किराएदार ने बेच दी महावीर के नाम दर्ज 10 बीघे जमीन

- दो-दो विधायक महावीर की जमीन कब्जाने में हो गये नामजद मुजिम

- वहां इस कलयुग में माफियाओं के चंगुल से मुक्त होगी बाकरांज मंदिर में विराजमान महावीर की जमीन

- भगवान हूँकर भी असहाय व मनुष्य की करतूत से दुखित हैं बाकरांज मंदिर में विराजमान महावीर की जमीन



महावीर देवी रोड से स्टेशन रोड की तरफ महावीर के नाम दर्ज जमीन में भूमाफियाओं द्वारा कब्जा कर खोली गई तुकाने।



महावीर के नाम दर्ज जमीन में खड़ी बिल्डिंगें।

ज्यात्यात्य में सारे साक्ष्य उपलब्ध होने के कारण अपने आपको निर्णय नहीं साबित कर पाए भूमाफिया और जनपद न्यायाधीश के यहां बजंगंबली खुद के न्याय की लडाई लड़ रहे हैं। खबर अभी और हैं, जानने के लिए चलते रहिए जन एक्सप्रेस के आगले अंक।

पीएम मोदी ने डल झील के किनारे योग किया, लोगों के साथ सेल्फी ली, सेना के जवानों ने आईएनएस विक्रमादित्य, चीन बॉर्डर पर योगासन किए

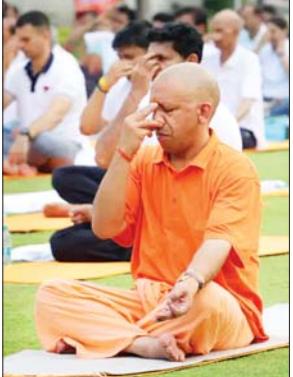
शान्ति, स्वास्थ्य व विकास के लिए योग जरूरी : पीएम मोदी

○ जोधपुर में बनाया पिरामिड, ब्रह्मकुमारी आश्रम में 10 हजार लोगों ने दिया फिट रहने का सदेश

○ प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ में बारिश के बीच योग, उज्जैन में किंप्रा नदी में जलयोग

○ 150 बुद्धों का सूर्य नमस्कार, मथुरा में हेमामतिनी का प्राण्यायम, हाथों पर चले मुंबई पुलिस के पूर्व कमिशनर

जन एक्सप्रेस | एजेंटी | श्रीनगर



योग के बाद पीएम मोदी ने इसके फायदे बताए

उहोंने कहा— कशीपी के लिए योग आकर्षण का केंद्र बन सकता है। आज मोसम में नुस्खातिया पैदा की। कई बोटोंने योग में बारिश के बचने के लिए उपयोग किया, लेकिन बेटियों गई नहीं। यहीं डरी रही। यह अपने आप में बहुत बड़ा सुकून है। मैं आपको बहुत बधाई देता हूँ पीएम ने कहा— हम जब स्कूल में पढ़ते थे तो टीवर स कहां थे कि स्थान से देखो। ध्यान से सुनो। ये ध्यान विषय हमारे कॉन्सन्ट्रेशन से जुड़ा विषय है। बहुत से लोग याद शक्ति बढ़ाने के लिए अलग-अलग तरीके बताते हैं। अगर सज्जा रुप से योग को जीवन से जोड़ें तो आपको लाभ होगा। आपकी विकास यात्रा का योग मजबूत पहलू बन जाएगा। पीएम मोदी बोले— योग जीवन से जब जुड़ता है तो एक सहज क्रिया बन जाता है। ज्यातार लोग सांचते हैं कि यह बड़ी रिपरियुअल की ज़रूरी है। योगों को लगाना अनांदीवेन पर्दे भी मौजूद हरी। गणजनयाबाद में बुंधूर पुलिस के पूर्व कमिशनर

काशी में गंगा की लहरें से 2 फोट ऊपर योग

यूपी में 10वें योग दिवस पर सीएम योगी ने राजीवन में योग किया। उहोंने कहा— योग सभी के लिए है, इसमें काइं भेदभाव नहीं है। मानवता के अनुरूप है। एक सुर्पण विषय है। इस दौरान राज्यपाल अनांदीवेन पर्दे भी मौजूद हरी। गणजनयाबाद में बुंधूर पुलिस के पूर्व कमिशनर

और बापात के पूर्व सासद सत्यापाल सिंह (69) ने मोदीनगर के पर्तजलि वेलनेय सेंटर में वृक्षासन किया। काशी में विश्वनाथ धाम और गंगा घाट पर योग किया गया। यहां गंगा के वैराग्यगांगा घाट पर धीरज गोस्वामी ने जल योग की क्रियाएं की। वह योग को लगाने से रुक जाते हैं। सांचते हैं कि उनसे यह सब नहीं होगा। योग का विस्तार सोसाइटी को फायदा पहुंचाता है। जब सोसाइटी को लाभ होता है, तब मानवता को भी लाभ होता है।

राजस्थान में पानी के अंदर ध्यान, रेतीने धोरों में योग

विश्व योग दिवस के मौके पर राजस्थान में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कैबिनेट के साथियों के साथ योग किया। राज्यपाल कलराज मिश्र भी कार्यक्रम में अलग-अलग योग क्रियाएं करते नजर आए। हींग, पाकिस्तान से सटे बांदर योगा में सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने योग के माध्यम से फिट रहने का सदेश दिया।

एम्पायरी में पहाड़ और पानी में योगासन

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर राजस्थान में भी योगाश्रम के बीच योगाश्रम के जवानों ने अलग-अलग योग क्रियाएं करते नजर आए। इस बार की थीम 'योग फॉर सेट्पु एंड सोसाइटी' है। पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया। 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। इस से इसे अलग-अलग योग पर मना नया जा रहा है। इस बार की थीम 'योग फॉर सेट्पु एंड सोसाइटी' है। पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जमू-कशीपी में हो। 2013 के बाद से यह अलग-अलग योग दिवस मनाया जा रहा है।

पीएम मोदी दो दिन के दौरे

जिला कारागार में महिला व पुरुष बन्दियों को कराया गया योग

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दसवें संस्थान के अवसर पर जिला कारागार ग्रामीण में दीनदाताल शोध संस्थान द्वारा संचालित तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विधायित जन शिक्षण संस्थान द्वारा महिला-पुरुषों को योग कराया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज जीलू मैनवाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिक का निवास होता है।

आजीवन स्वस्थ रहने के लिए योग हमारी वैदिक परंपरा का अमूल्य उपहार है, जो हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ एवं मजबूत रखता है। योग करने से सकारात्मक ऊर्जा का प्राप्त होता है। हम सभी को इसे दैनिक दिव्यांग का विश्वास बनाना होगा। जेल अधीक्षक शशांक पाण्डे ने कहा कि सम्पूर्ण जीवन में योग ही ऐसा मार्ग है, जिसके द्वारा मनुष्य को बल, बुद्धि, श्रेष्ठता, पौरुष, एवं

सच्चरित्रा पाँच सर्वोत्तम गुण प्राप्त होते हैं। योग का एक ही मूल आधार ऐतिहासिक योग का संकल्पना निरोगी होने के दृष्टिकोण से योग का प्रशिक्षण यहाँ संचालित किया गया। जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा सञ्चियोग, आसन, मुद्रायास, प्राणायाम, सूर्यनमस्कार विद्याये गए। प्रशिक्षक जानकी शरण ने कहा कि योग से बुद्धि तो वाही होती है, स्मरण शक्ति

कारागार में महिला-पुरुष बन्दियों को आजीवन स्वास्थ्य की संकल्पना निरोगी होने के दृष्टिकोण से योग का प्रशिक्षण यहाँ संचालित किया गया। जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा सञ्चियोग, आसन, मुद्रायास, प्राणायाम, सूर्यनमस्कार विद्याये गए। प्रशिक्षक जानकी शरण ने कहा कि योग से बुद्धि तो वाही होती है, स्मरण शक्ति

बढ़ती है श्वसन तंत्र मजबूत होता है तथा ध्वनि से मानसिक स्थिरता आती है। इस मौके पर जेल संतोष कुमार वामा, छठी जेल रेजिनी सिंह, चितरंजन प्रसाद श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार कन्नौजिया एवं बज किशोरी तथा कारागार चिकित्सक डॉ रामानुजम योगी, पद्मा सिंह आदि मौजूद रहे।

योग जीवन को अनुशासित और निरोगी बनाने में है सार्थक: डॉ एन के सिंह

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

जिला गंगा समिति एवं रामीपुर टाइगर रिंजिं के तत्वाधान में शुक्रवार को दशम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में योग सत्र कार्यक्रम एवं गंगा स्वच्छता कार्यक्रम पुल घाट में आजोन-जिला किया गया। योग सत्र अंतर्राष्ट्रीय योग पीठ की योग प्रशिक्षक मनोज केशराजी एवं विलाल आर्य द्वारा बनाया गया। इसके बाद योग सत्र में उपस्थित लोगों को योगभास कराया।

योग दिवस के अवसर पर रामीपुर टाइगर रिंजिं उप निदेशक डॉ एन के सिंह ने कहा कि योग सत्र के बाद बाजार की बाजारी और निरोगी बनाने में बहुत ही सार्थक है, जो हमारे जीवन को स्वस्थ व सुखद बनाये रखती है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने कार्यों में थक जाता है तो उस समय योग से थकान दूर करने व मन को शान्त

रखने में बहुत सहायक होता है। उप

प्रभागी वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह ने

कहा कि नदी के किनारे योग का संकरने द्वारा योग के लिए उपर्युक्त विश्वविद्यालय में बहुत सहायक नादियों के बाटों को सफार रखने एवं कड़ा-कड़ाया एवं सिंगल यूज पालीथीन न फैलने एवं नादियों में पूजा सामानी व मूर्तियों विसर्जित नहीं करने की शपथ दिलायी गयी।

इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी राधेश्याम दिवाकर, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, मंगलेश गुप्ता, उमा क्षेत्रीय वनाधिकारी हरिशंकर सिंह, जिला पर्यावारी अधिकारी गोपाल कृष्ण गुप्ता, मोती मंडल नारायण सिंह, रामरेस रैकरवार, प्रकाश श्रीवास्तव, विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक प्रभाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विशाल योग कार्यक्रम एक

रखने में बहुत सहायक होता है। उप

प्रभागी वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह ने

कहा कि नदी के किनारे योग का संकरने द्वारा योग के लिए उपर्युक्त विश्वविद्यालय में बहुत सहायक नादियों के बाटों को सफार रखने एवं कड़ा-कड़ाया एवं सिंगल यूज पालीथीन न फैलने एवं नादियों में पूजा सामानी व मूर्तियों विसर्जित नहीं करने की शपथ दिलायी गयी।

इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी राधेश्याम दिवाकर, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, मंगलेश गुप्ता, उमा क्षेत्रीय वनाधिकारी हरिशंकर सिंह, जिला पर्यावारी अधिकारी गोपाल कृष्ण गुप्ता, मोती मंडल नारायण सिंह, रामरेस रैकरवार, प्रकाश श्रीवास्तव, विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक प्रभाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विशाल योग कार्यक्रम एक

रखने में बहुत सहायक होता है। उप

प्रभागी वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह ने

कहा कि नदी के किनारे योग का संकरने द्वारा योग के लिए उपर्युक्त विश्वविद्यालय में बहुत सहायक नादियों के बाटों को सफार रखने एवं कड़ा-कड़ाया एवं सिंगल यूज पालीथीन न फैलने एवं नादियों में पूजा सामानी व मूर्तियों विसर्जित नहीं करने की शपथ दिलायी गयी।

इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी राधेश्याम दिवाकर, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, मंगलेश गुप्ता, उमा क्षेत्रीय वनाधिकारी हरिशंकर सिंह, जिला पर्यावारी अधिकारी गोपाल कृष्ण गुप्ता, मोती मंडल नारायण सिंह, रामरेस रैकरवार, प्रकाश श्रीवास्तव, विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक प्रभाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विशाल योग कार्यक्रम एक

रखने में बहुत सहायक होता है। उप

प्रभागी वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह ने

कहा कि नदी के किनारे योग का संकरने द्वारा योग के लिए उपर्युक्त विश्वविद्यालय में बहुत सहायक नादियों के बाटों को सफार रखने एवं कड़ा-कड़ाया एवं सिंगल यूज पालीथीन न फैलने एवं नादियों में पूजा सामानी व मूर्तियों विसर्जित नहीं करने की शपथ दिलायी गयी।

इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी राधेश्याम दिवाकर, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, मंगलेश गुप्ता, उमा क्षेत्रीय वनाधिकारी हरिशंकर सिंह, जिला पर्यावारी अधिकारी गोपाल कृष्ण गुप्ता, मोती मंडल नारायण सिंह, रामरेस रैकरवार, प्रकाश श्रीवास्तव, विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक प्रभाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विशाल योग कार्यक्रम एक

रखने में बहुत सहायक होता है। उप

प्रभागी वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह ने

कहा कि नदी के किनारे योग का संकरने द्वारा योग के लिए उपर्युक्त विश्वविद्यालय में बहुत सहायक नादियों के बाटों को सफार रखने एवं कड़ा-कड़ाया एवं सिंगल यूज पालीथीन न फैलने एवं नादियों में पूजा सामानी व मूर्तियों विसर्जित नहीं करने की शपथ दिलायी गयी।

इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी राधेश्याम दिवाकर, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, मंगलेश गुप्ता, उमा क्षेत्रीय वनाधिकारी हरिशंकर सिंह, जिला पर्यावारी अधिकारी गोपाल कृष्ण गुप्ता, मोती मंडल नारायण सिंह, रामरेस रैकरवार, प्रकाश श्रीवास्तव, विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक प्रभाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विशाल योग कार्यक्रम एक

रखने में बहुत सहायक होता है। उप

प्रभागी वनाधिकारी राजीव रंजन सिंह ने

कहा कि नदी के किनारे योग का संकरने द्वारा योग के लिए उपर्युक्त विश्वविद्यालय में बहुत सहायक नादियों के बाटों को सफार रखने एवं कड़ा-कड़ाया एवं सिंगल यूज पालीथीन न फैलने एवं नादियों में पूजा सामानी व मूर्तियों विसर्जित नहीं करने की शपथ दिलायी गयी।

इस मौके पर क्षेत्रीय वनाधिकारी राधेश्याम दिवाकर, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, मंगलेश गुप्ता, उमा क्षेत्रीय वनाधिकारी हरिशंकर सिंह, जिला पर्यावारी अधिकारी गोपाल कृष्ण गुप्ता, मोती मंडल नारायण सिंह, रामरेस रैकरवार, प्रकाश श्रीवास्तव, विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक प्रभाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार क



कानपुर नगर एक्सप्रेस

जोन दो में प्रवर्तन के खिलाड़ी जे.ई. और सुपरवाइजर के खेल का हुआ भंडाफोड़



जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

कानपुर नगर। कानपुर विकास प्राधिकरण के जोन 2 में तैयार प्रवर्तन के जिम्मेदार अधिकारियों की दो बड़ी लापरवाहियां कल सोशल मीडिया के गुप्ते पर खूब दिखाई दीं।

सबसे पहले प्राधिकरण के जोन दो स्थित शिवाजी नगर समिति का हास पेड़ गैर कानूनी तरीके से कटवाने पर

</

जन एक्सप्रेस



सम्पादकीय

कितने जायज हैं ईवीएम पर विपक्ष के सवाल?

अभी हाल ही में एलन मारक द्वारा यह कहकर सनसनी फैलने का ही काम किया है कि ईवीएम हैक हो सकती है। एलन मारक ने यह बयान दर्शन किया है कि ईवीएम पर लोकसभा चुनाव के बाद देर से ही सही, लेकिन विदेश के लोगों द्वारा भारत के बारे में ऐसे विवादित बयान कई बार दिए जा चुके हैं, जिसको आधार बनाकर भारत की राजनीति को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान की तरफ से तो मोदी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए एक अधियान सा चलता दिखाई दिया। बहलत यहाँ होता कि विदेश के किसी भी व्यक्ति को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से आईना दिखाने का कार्य किया जाता।

दे श में प्रायः हर उस चुनाव के बाद विवृतीय मतदान मरणी पर सबल उठते होते हैं, जब किसी भी विपक्ष की सरकार नहीं बन पाती। इस बार भी लोकसभा चुनाव के बाद देर से ही सही, लेकिन ईवीएम पर सबल उठने लगे हैं। हालांकि अभी स्वर इसलिए भी धीमे हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव में विपक्ष के राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत बढ़ाकर एक मजबूत विपक्ष बनने का रसाया तैयार कर लिया है। देश के राजनीतिक वित्तियों में सब दूर्घटना होती है। यह विपक्ष सरकार बनाने से दूर होकर अपनी विजय का अहसास कर रहा है। इसके विपरीत सत्ता पाने वाले राजग इस बात की समीक्षा कर रहा है कि उसकी सीढ़े कम कैसे हो गई। जबकि यह समीक्षा विपक्षी दलों को करना चाहिए। खेत बाट हो ही होती थी ईवीएम की। इस लोकसभा चुनाव से पूर्वी भी भाजपा को नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार ऐसे बदलाव परिणाम भी होते हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामान करना पड़ा। लेकिन विस्तृत विधि है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कई सबल नहीं उत्तर आए। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि विपक्ष की ओर से स्थिति देखकर ही सबल उत्तर आते हैं। यह विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जापान नहीं है, वे मार ईवीएम के सबल ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर सबल नहीं उत्तर आते। हम जानते हैं कि विपक्ष को केंद्र भाजपा की जीत से पहले है, वे भाजपा की जीत को पचा नहीं पाते, जबकि दिल्ली और पंजाब में अम आदमी पाटी को छप्पा फ़ाइ समर्थन मिला था, लेकिन विपक्षी एक बार केंद्र सरकार के अधिकार नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सबल खड़े किए थे। अब इन सबलों का जबाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। लेकिन उस समय ज्यादा विरोध करने वाले कोई भी राजनेता चुनाव आयोग के बुलावे पर नहीं पहुँचे। इसका तात्पर्य यही है कि विपक्ष के ईवीएम पर आरोप का कोई पुछ अरान नहीं है। इस बार भी केंद्र अधिकार के आधार पर ईवीएम को निशाने पर लाया जाने की जीत होती है। चुनाव परिणाम के बाद इस बात की पूरी सम्भावना बन रही थी कि ईवीएम को अपेक्षा हाथ लिया जाए। इसलिए चुनाव आयोग ने भी ईवीएम को लेकिन इन्होंने बहुत महसूलपूर्ण है कि आप विदेश का कोई व्यक्ति या संस्था भारत के बारे में कोई सबल उठाता है तो हमारे देश के कुछ लोग उस पर आँखें बंद करके विश्वास कर लेते हैं।



योगेश कुमार गोयल
ग्रीष्म संक्रान्ति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आधारित सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना जाया है।

तन के साथ मन को भी स्वरथ रखता है योग

प्र

तिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'स्वर्ण और समाज के लिए योग' थीम के साथ 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग की एक ऐसे आदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तत्त्वज्ञता को ऊंचा करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चलते वर्ष 2015 में अपनी योग की विश्व स्तर में योग का विविहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पूछी पर स्वरूपता की शुरूआत से ही योग किया जा रहा है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार अहसास कर रहा है कि उसकी सीढ़े कम कैसे हो गई। जबकि यह समीक्षा विपक्षी दलों को करना चाहिए। खेत बाट हो ही होती थी ईवीएम की। इस लोकसभा चुनाव से पूर्वी भी भाजपा को नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार एसे बदलाव परिणाम भी होते हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामान करना पड़ा। लेकिन विस्तृत विधि है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कई सबल नहीं उत्तर आए। ऐसी स्थिति में यही कहा जाता है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जापान नहीं है, वे मार ईवीएम के सबल ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर सबल नहीं उत्तर आते। हम जानते हैं कि विपक्ष को केंद्र भाजपा की जीत से पहले है, वे भाजपा की जीत को पचा नहीं पाते, जबकि दिल्ली और पंजाब में अम आदमी पाटी को छप्पा फ़ाइ समर्थन मिला था, लेकिन विपक्षी एक बार केंद्र सरकार के अधिकार नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सबल खड़े किए थे। अब इन सबलों का जबाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। लेकिन इन्होंने बहुत महसूलपूर्ण है कि आप विदेश का कोई व्यक्ति या संस्था भारत के बारे में कोई सबल उठाता है तो हमारे देश के कुछ लोग उस पर आरोप लाने सुन्न हो गए हैं। यह विवाद कितनी दूर तक जाएगा, यह तो कहना मुश्किल है, लेकिन जब धुंधुँ उठने लगा है तो आग भी कहीं न कहीं लगी ही होगी। अब विपक्ष के निशाने पर चुनाव आयोग और ईवीएम दोनों ही हैं। विपक्ष की ओर से वह कई बार कहा जाता है कि विपक्ष के ईवीएम पर आरोप का कोई पुछ अरान नहीं है। इस बार भी केंद्र अधिकार के आधार पर ईवीएम को निशाने पर लाया जाने की जीत होती है। चुनाव परिणाम के बाद इसकी गड़बड़ी की रोटी पहली फ़ोटो फ़ाइ समर्थन मिला है। यह विवाद किसी दल का जारी रहा है, लेकिन विपक्षी एक बार केंद्र सरकार के अधिकार नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सबल खड़े किए थे। अब इन सबलों का जबाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। लेकिन इन्होंने बहुत महसूलपूर्ण है कि आप विदेश का कोई व्यक्ति या संस्था भारत के बारे में कोई सबल उठाता है तो हमारे देश के कुछ लोग उस पर आरोप लाने सुन्न हो गए हैं। यह विवाद कितनी दूर तक जाएगा, यह तो कहना मुश्किल है, लेकिन जब धुंधुँ उठने लगा है तो आग भी कहीं न कहीं लगी ही होगी। अब विपक्ष के ईवीएम पर लोकसभा चुनाव आयोग के बाद देर से ही सही, लेकिन विदेशी की दीवार पक्की नहीं होती। यह है तो दीवार लगी ही होती है, दिलों में दीवार अच्छी नहीं होती। फ़र्जेशी कब विदेशी का सप्ताह हुआ है, उसकी जीत लगती है। जबकि यह समीक्षा विपक्षी दलों को करना चाहिए। खेत बाट हो ही होती थी ईवीएम की। इस लोकसभा चुनाव से पूर्वी भी भाजपा को नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार एसे बदलाव परिणाम भी होते हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामान करना पड़ा। लेकिन विस्तृत विधि है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कई सबल नहीं उत्तर आए। ऐसी स्थिति में यही कहा जाता है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जापान नहीं है, वे मार ईवीएम के सबल ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर लोकसभा चुनाव से पूर्वी भी भाजपा को नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार एसे बदलाव परिणाम भी होते हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामान करना पड़ा। लेकिन विस्तृत विधि है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कई सबल नहीं उत्तर आए। ऐसी स्थिति में यही कहा जाता है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जापान नहीं है, वे मार ईवीएम के सबल ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर लोकसभा चुनाव से पूर्वी भी भाजपा को नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार एसे बदलाव परिणाम भी होते हैं, जिसम

दुनिया पर चढ़ा योग का खुमार

अमेरिका में भी उत्साह, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर हजारों लोगों ने किया योग

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। वॉरिंगटन



दो दशकों से अधिक का अनुभव

योग प्रशिक्षक और शास्त्रीय योग दिवस के मौके पर यहाँ पूरे दिन कार्यक्रम बदलने वाले हैं। हर साल 21 जून को लोग योग का अभ्यास करने के लिए उत्सुक होते हैं। ऐसे में न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य द्वारा आयोजित योग और ध्यान सत्र का नेतृत्व किया। बातों में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की ख्यालें सेवक के रूप में ढेकने को दो दशकों से अधिक का अनुभव है। कई अन्य योग शिक्षकों और विशेषज्ञों ने भी टाइम्स स्क्वायर पर पहरे दिन अलग-अलग तरीके के ध्यान, व्यायाम और शास्त्र से जुड़े योग करा। दिनभर चली गतिविधियाँ में हजारों लोगों ने भाग लिया।

सात योग सत्र आयोजित हुए

भारत के महावाणिज्य द्वारा आयोजित योग और ध्यान सत्र का नेतृत्व किया। बातों में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की ख्यालें सेवक के रूप में ढेकने को दो दशकों से अधिक का अनुभव है। कई अन्य योग शिक्षकों और विशेषज्ञों ने भी टाइम्स स्क्वायर के साथ एक साझेदारी की। इस साझेदारी के साथ ही गुरुवार को टाइम्स स्क्वायर पर विशेष योग सत्रों का आयोजन किया गया।



तमिलनाडु में जहरीली शराब से 47 मौतों पर बवाल

* घटना के बाद स्थानीय लोगों में तो नाराजगी है ही, राजनीतिक गलियारे में भी बवाल मचा हुआ है

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली



विधानसभा के अंदर-बाहर प्रदर्शन

प्रदर्शन को देखते हुए विधानसभा के परिसर में भारी पुलिस बल तैनात है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एडप्टेंटी के पलानीसामी ने इस मामले पर एक प्रेस कॉफेस भी की। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इन्स्ट्रॉफे की मांग की। इससे पहले तमिलनाडु विधानसभा में शुक्रवार को एआईडीएमके ने प्रश्नकाल के दौरान शराबकांड समें कई मूर्छे उठाने की मांग की। उन्होंने जमकर हंगामा किया। इसके बाद एआईडीएमके के सदस्यों को पूरे दिन के लिए सदन से निकलिया कर दिया गया। हालांकि, कुछ देर बाद ही मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अपील के बाद विधानसभा अधिकारी ने फैसले को घोषित किया।

सदस्य यहाँ ड्रामा कर रहे हैं। वे विधानसभा के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इससे पहले सीएम स्टालिन ने मृतकों के परिवर्त को 10-10 लाख रुपये और इलाज करा रहे लोगों को 50-50 हजार रुपये की अधिक

मदद देने का एलान किया था। मामले की जांच के लिए पूर्व न्यायालय न्यायालयीं जी मौजूदगी वाले एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। इसकी रिपोर्ट 3 महीने के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।

देश के जलाशयों में बचा सिर्फ 21 फीसदी पानी के द्वारा जल आयोग की रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे



योग की रिपोर्ट के अनुसार देश के 150 मूख्य जलाशयों में पानी घटकर महज 21 प्रतिशत रह गया है।

जलविद्युत परियोजनाओं और जल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले इन जलाशयों की संयुक्त भंडारण क्षमता 178.784 अरब क्रूपिक मीटर (जीपीएम) है, जो

देश की कुल जल भंडारण क्षमता का 69.35 प्रतिशत है। गुरुवार तक, इन जलाशयों में उपलब्ध भंडारण 37.662 जीपीएम है, जो उनकी कुल क्षमता का 21 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, 150 जलाशयों में उपलब्ध लाई स्टोरेज 257.812 जीपीएम की अनुमानित कुल क्षमता के मुकाबले 54.310 जीपीएम है। यह अंकड़ा यिन्हें वर्ष के आंकड़ों से कम है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट में भारतीय जलाशयों में पानी घटकर तात्पुरता की अपील की बीते दस वर्षों के औसत भंडारण से भी कम है। दो साल में पहले जलाशयों में कुल भंडारण कीरी 22 प्रतिशत था, जबकि उसमें एक साल पहले वह 23 प्रतिशत था।

देश में भीषण गर्मी ने जहाँ लोगों के पासीने छुड़ाए हुए हैं, वहाँ पानी के संकटों को भी सुख दिया है। केंद्रीय जल आयोग की विधायिका स्टोरेज में कुछ ऐसे आंकड़े सामने आए हैं, जो सभी की चिंताएं बढ़ा सकते हैं। जल

कहां-कितनी जल भंडारण क्षमता, कितनी आई कमी?

● आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर में भीषण गर्मी की वजह से दिल्ली समेत देश के कई क्षेत्रों में जल संकट देखने की मिल रही है। जलाशयों में जल भंडारण प्रर्जन नजर डालें तो दक्षिण भारत के राज्यों पर इसका गहरा असर पड़ा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में मौजूद 42 जलाशयों की कुल क्षमता 53,334 जीपीएम है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इन जलाशयों में उपलब्ध भंडारण अब 8,508 जीपीएम रह गया है। इस पिछले वर्ष के मुकाबले 21 प्रतिशत कम है।

● उत्तर भारत की बात करें हमाराल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान में जूमूद कुल 10 जलाशयों में कुल मिलाकर 19,663 जीपीएम जल भंडारण क्षमता है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इन जलाशयों में जूमूद जल भंडारण 5,448 जीपीएम रह गया है। इस पिछले वर्ष के मुकाबले 39 प्रतिशत कम है।

● पूर्वोत्तर राज्यों की बात करें तो असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, प्रियांग, नगालैंड और बिहार के 23 जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 20,430 जीपीएम है। इन जलाशयों में जूमूद जल भंडारण 3,873 जीपीएम रह गया है, जो कि कुल क्षमता का 19 प्रतिशत है। हालांकि पिछले वर्ष 18 प्रतिशत के मुकाबले इन 23 जलाशयों में जल भंडारण थोड़ा सा बढ़ा है।

● भारत के पश्चिमी राज्यों जूरात, महाराष्ट्र में कुल मिलाकर 7,608 जीपीएम रह गया है। इन 49 जलाशयों में जूमूद जल भंडारण 7,608 जीपीएम रह गया है।

देश में भीषण गर्मी ने जहाँ लोगों के पासीने छुड़ाए हुए हैं, वहाँ पानी के संकटों को भी सुख दिया है। केंद्रीय जल आयोग की विधायिका स्टोरेज में कुछ ऐसे आंकड़े सामने आए हैं, जो सभी की चिंताएं बढ़ा सकते हैं। जल

कहां-कितनी जल भंडारण क्षमता, कितनी आई कमी?

● आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर में भीषण गर्मी की वजह से दिल्ली समेत देश के कई क्षेत्रों में जल संकट देखने की मिल रही है। जलाशयों में जल भंडारण डालें तो दक्षिण भारत के राज्यों पर इसका गहरा असर पड़ा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में मौजूद 42 जलाशयों की कुल क्षमता 53,334 जीपीएम है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इन जलाशयों में जूमूद जल भंडारण अब 8,508 जीपीएम रह गया है। इस पिछले वर्ष के मुकाबले 21 प्रतिशत कम है।

● पूर्वोत्तर राज्यों की बात करें तो असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, प्रियांग, नगालैंड और बिहार के 23 जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 20,430 जीपीएम है। इन जलाशयों में जूमूद जल भंडारण 3,873 जीपीएम रह गया है, जो कि कुल क्षमता का 19 प्रतिशत है। हालांकि पिछले वर्ष 18 प्रतिशत के मुकाबले इन 23 जलाशयों में जल भंडारण थोड़ा सा बढ़ा है।

● भारत के पश्चिमी राज्यों जूरात, महाराष्ट्र में कुल मिलाकर 7,608 जीपीएम रह गया है।

देश में भीषण गर्मी ने जहाँ लोगों के पासीने छुड़ाए हुए हैं, वहाँ पानी के संकटों को भी सुख दिया है। केंद्रीय जल आयोग की विधायिका स्टोरेज में कुछ ऐसे आंकड़े सामने आए हैं, जो सभी की चिंताएं बढ़ा सकते हैं। जल

कहां-कितनी जल भंडारण क्षमता, कितनी आई कमी?

● आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर में भीषण गर्मी की वजह से दिल्ली समेत देश के कई क्षेत्रों में जल संकट देखने की मिल रही है। जलाशयों में जल भंडारण डालें तो दक्षिण भारत के राज्यों पर इसका गहरा असर पड़ा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में मौजूद 42 जलाशयों की कुल क्षमता 53,334 जीपीएम है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इन जलाशयों में जूमूद जल भंडारण अब 8,508 जीपीएम रह गया है। इस पिछले वर्ष के मुकाबले 21 प्रतिशत कम है।

● पूर्वोत्तर राज्यों की बात करें तो असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, प्रियांग, नगालैंड और बिहार के 23 जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 20,430 जीपीएम है। इन जलाशयों में जूमूद जल भंडारण 3,873 जीपीएम रह गया है, जो कि कुल क्षमता का 19 प्रतिशत है। हालांकि पिछले वर्ष 18 प्रतिशत के मुकाबले इन 23 जलाशयों में जल भंडारण थोड़ा सा बढ़ा है।

● भारत के पश्चिमी राज्यों जूरात, महाराष्ट्र म